सादर प्रकाशनार्थ

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत गीता का शुभारम्भ मानिकपुर में,

कोरबाः4/12/2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व–विद्यालय के तत्वाधान में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लीना बहन के सानिध्य में दिनांक 3 दिसम्बर से 9 दिसम्बर 2017 तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत गीता ज्ञान यज्ञ के शुभारम्भ में कलश यात्रा का आयोजन हुआ। तपस्विनी ब्रह्माकुमारी लीना बहन ने कहा कि एक पिता अपने बच्चों को रोता बिलखता देख नहीं सकता। जब तक बच्चा खेलता रहता है तो वह स्वतत्र है, लेकिन जब वह किसी भी कारण से रोना प्रारम्भ करता है तो मात–पिता उसे गोद में उठा लेते हैं। आज घर–घर में महाभारत का ताण्डव चल रहा है और आज मानव अपने ही करनी के कारण दुखी और अशान्त है। परमात्मा पिता जो कि हमारे मात–पिता, स्वामी, बन्धु सखा आदि सब कुछ हैं। वे हमारी पुकार सुन कर इस धरा पर अवतरित हो चुके हैं और सच्चा सच्चा गीता का ज्ञान दे रहें हैं। इसी ज्ञान से एक धर्म की स्थापना और स्वर्णिम संसार का आगमन होगा। राजू श्रीवास्तव अध्यक्ष एटक एस.ई. सी.एल. मानिकपुर ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए कहा कि यह बड़े सौभाग्य की बात है कि हमारे मानिकपुर कालौनी में इस तरह के सत्संग और भजन के कार्यकम का आयोजन किया गया है। वैसे तो इस तरह के कार्यकम का आयोजन होते रहना चाहिए क्योंकि आज के व्यस्तम जीवन में हम धार्मिक कार्यों को भूलते चले जा रहें हैं। परमात्मा ने जो गीता ज्ञान अर्जुन के लिये दिया था वह सिर्फ एक व्यक्ति के लिये नहीं लेकिन संसार में सभी प्राणियों के लिये लाभप्रद है। इस भागवद् कथा के आयोजन से सभी को लाभ मिलेगा। डॉ. के.सी. देबनाथ ने कहा कि आज लोग पापाचार और अत्याचार के अंधकार में डूबता जा रहा है और यही कारण है उसके दुख–अवसाद–तनाव और अनेक प्रकार की बीमारियों का। घर में जब एक व्यक्ति बीमार होता है तो घर के और सभी लोगों पर भी इसका असर पड़ता है। ईश्वर भी इस तरह के आयोजनों से लोंगों में अच्छी राह पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है। विश्वनाथ नायक वरिष्ठ नागरिक ने कहा गीता ज्ञान को पढ़ने और अनुसरण करने से पुण्य कर्मों की कमाई होती है और मुक्ति तथा जीवन मुक्ति का रास्ता मिलता है। नगरवासी कार्यकम का लाभ लेने के लिये सादर आमंत्रित हैं।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी